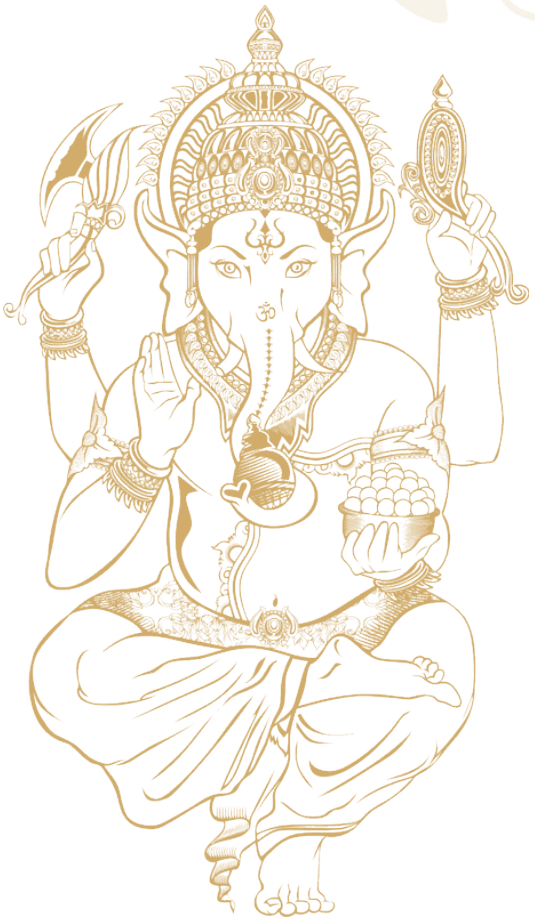

Mr.raunak jaiswal

Ms.archita jaiswal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120836906

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/09/1995	जन्म तिथि	17/01/2001
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 18:37:00	जन्म समय	23:00:00 घंटे
घटी 33:14:48	जन्म समय(घटी)	41:41:47 घटी
India	देश	India
Howrah	स्थान	Bihar Sharif
22:35:00 उत्तर	अक्षांश	25:07:00 उत्तर
88:20:00 पूर्व	रेखांश	85:25:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:23:20	स्थानिक संस्कार	00:11:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:19:04	सूर्योदय	06:35:30
17:54:12	सूर्यास्त	17:21:36
23:47:56	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:02

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 18वर्ष 1मा 4दि	29:58:26	कुंभ	लग्न	कन्या	19:48:10	राहु 2वर्ष 4मा 2दि
बुध	14:50:05	सिंह	सूर्य	मक	03:48:33	शनि
06/10/2013	03:58:04	वृश्चि	चंद्र	तुला	18:15:59	22/05/2019
06/10/2030	02:25:42	तुला	मंगल	तुला	20:43:25	22/05/2038
बुध 04/03/2016	10:38:57	कन्या	बुध	मक	17:59:29	शनि 25/05/2022
केतु 01/03/2017	13:03:33	वृश्चि	गुरु व	वृष	07:25:14	बुध 01/02/2025
शुक्र 31/12/2019	17:59:48	सिंह	शुक्र	कुंभ	20:54:05	केतु 13/03/2026
सूर्य 05/11/2020	28:31:59	कुंभ व	शनि व	वृष	00:14:33	शुक्र 13/05/2029
चन्द्र 06/04/2022	03:47:45	तुला	राहु	मिथु	21:36:03	सूर्य 25/04/2030
मंगल 04/04/2023	03:47:45	मेष	केतु	धनु	21:36:03	चन्द्र 24/11/2031
राहु 21/10/2025	03:12:49	मक व	हर्ष	मक	25:39:07	मंगल 02/01/2033
गुरु 27/01/2028	29:16:15	धनु व	नेप	मक	12:04:21	राहु 09/11/2035
शनि 06/10/2030	04:10:39	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	20:27:14	गुरु 22/05/2038

लग्न-चलित

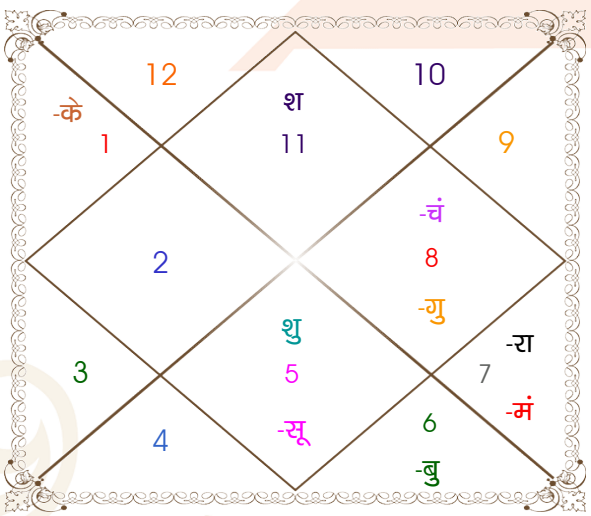

लग्न-चलित

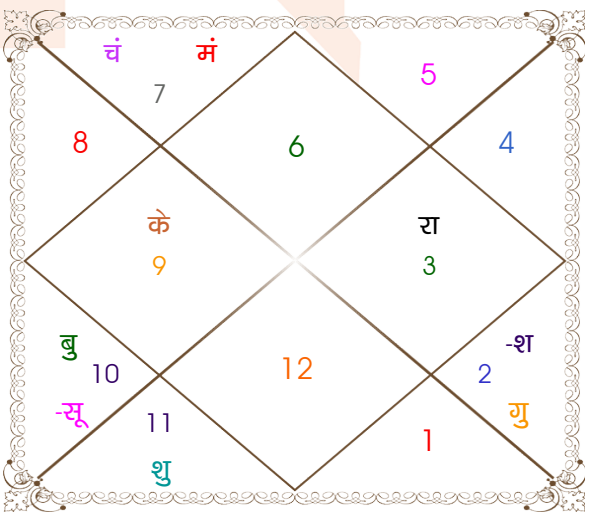

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डतण्तंनदां रंपूंस का वर्ग सर्प है तथा डेण्तबीपजं रंपूंस का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्तंनदां रंपूंस और डेण्तबीपजं रंपूंस का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्तंनदां रंपूंस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

डेण्तबीपजं रंपूंस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

डतण्तंनदां रंपूंस तथा डेण्तबीपजं रंपूंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।